tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

हार्दिक पंड्या विवाद में घिरे तिरंगे के अपमान को लेकर FIR

Page-04

'भूत बांग्ला' का टीज़र रिलीज होते ही फैंस में उत्साह

Page-05

गैस संकट का असर मंदिरौं तक, बर्गभीमा शक्किपीठ में भक्फैंके लिए भोग वितरण बंद

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और ईंधन आपूर्ति में आई बाधा का असर अब धार्मिक स्थलों पर भी दिखने लगा है। ईरान-अमेरिका युद्ध से उत्पन्न गैस आपूर्ति संकट के कारण पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले स्थित प्रसिद्ध तमलुक बर्गभीमा मंदिर में आम भक्तों के लिए भोग वितरण अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला लिया गया है।बर्गभीमा मंदिर हिंदू धर्म के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है और यहां हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में प्रतिदिन माता को भोग अर्पित किया जाता है और दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की जाती है।हालांकि मंदिर प्रबंधन ने बताया है कि रसोई गैस की कमी के कारण 21 मार्च के बाद से आम श्रद्धालुओं के लिए भोग वितरण बंद करना पड़ेगा। मंदिर प्रशासन का कहना है कि गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण भोजन तैयार करना मुश्किल हो गया है।मंदिर प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया है कि माता को नियमित रूप से भोग अर्पित किया जाएगा, लेकिन फिलहाल भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था सीमित करनी पड़ रही है।इस फैसले से कई श्रद्धालु निराश हैं, क्योंकि दूर-दूर से आने वाले भक्तों के लिए मंदिर का प्रसाद विशेष महत्व रखता है।प्रबंधन का कहना है कि जैसे ही गैस आपूर्ति सामान्य होगी, भक्तों के लिए भोग वितरण की व्यवस्था फिर से शुरू कर दी जाएगी।

देश में LPG की किल्लत ? सिलेंडर की कालाबाजारी तेज

ईरान युद्ध का असर: देश में LPG की किल्लत, सिलेंडर की कालाबाजारी तेज; इंडक्शन की मांग बढ़ी

अमेरिका और इजराइल की ईरान से जारी जंग का असर अब भारत में भी दिखने लगा है। देश के कई हिस्सों में LPG गैस सिलेंडर की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगह सिलेंडरों की कालाबाजारी भी हो रही है।बिहार के कई शहरों में करीब 1000 रुपए में मिलने वाला घरेलू गैस सिलेंडर 1800 रुपए तक में बेचा जा रहा है। वहीं मध्य प्रदेश में 1918 रुपए कीमत वाला कॉमर्शियल सिलेंडर करीब 4000 रुपए तक में बिकने की शिकायतें सामने आई हैं।कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को इंडक्शन चूल्हों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे बाजार में इंडक्शन की मांग भी तेजी से बढ़ गई है। जयपुर के जयंती बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता के मुताबिक, पहले जयपुर में हर महीने करीब 2500 से 3000 इंडक्शन बिकते थे, लेकिन अब इनकी मांग लगभग 50% तक बढ़ गई है।पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि भारत अपनी जरूरत

- ईरान युद्ध के असर से देश में LPG कीं किल्यत और कालाबाजारी बढ़ी, बिहार में घरेलू सिलेंडर ₹1800 तक बिकने कीं खबरें सामने आस्र
- रेस्पोरेंट इंडस्क्मन पर खाना बनाने लगे, जिससे बाजार में इंडस्क्मन चूल्वों कीं मांग करीब 50% तक बढ़ गई।

की करीब 60% LPG विदेशों से आयात करता है और इसका लगभग 90% हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। उन्होंने बताया कि मौजूदा स्थिति थोड़ी चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन सरकार घरेलू उपभोक्ताओं तक गैस की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।उन्होंने कहा कि देश में रोजाना लगभग 50 लाख गैस सिलेंडर की डिलीवरी की जाती है। फिलहाल डिस्ट्रीब्यूशन स्तर पर किसी बड़ी किल्लत की आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन लोगों में घबराहट के कारण गैस बुकिंग कई गुना बढ़ गई है। सरकार ने राज्य सरकारों से लाभार्थियों की सूची तैयार करने को कहा है ताकि जरूरतमंदों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जा सकें।इधर मध्य प्रदेश के भोपाल में भास्कर की जांच में सामने आया कि बरखेड़ा पठानी इलाके की एक गैस एजेंसी पर कॉमर्शियल सिलेंडर खुलेआम 4000 रुपए में बेचा जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया है, लेकिन कई जगह इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है।

हमले का आरोप, संजय सिंह ने FIR कीं मांग कीं

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पपश्चिमी दिल्ली के राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी के एक पार्षद और कार्यकर्ता पर हमले का मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर पार्टी सांसद संजय सिंह ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।संजय सिंह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि बुधवार को आप पार्षद ज्योति गौतम और पार्टी कार्यकर्ता संजय भैरव इलाके में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया।उन्होंने दावा किया कि हमलावरों का संबंध भाजपा विधायक उमंग बजाज से जुड़े लोगों से है। संजय सिंह के अनुसार, हमले के दौरान कार्यकर्ता के साथ मारपीट की गई और पार्षद ज्योति गौतम के साथ भी बदसलूकी की गई।आप सांसद ने पुलिस से मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि इस पूरे मामले पर भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष्की बड़ी तैयारी

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष एक या दो दिनों के भीतर संसद में यह प्रस्ताव पेश कर सकता है।सूत्रों का कहना है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के कई सांसदों ने इस प्रस्ताव के समर्थन में हस्ताक्षर कर दिए हैं। दावा किया जा रहा है कि लोकसभा के करीब 120 और राज्यसभा के लगभग 60 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव के नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं।विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता को लेकर कई सवाल उठे हैं, इसलिए इस मुद्दे पर संसद में चर्चा जरूरी है। इसी कारण विपक्ष ने महाभियोग प्रस्ताव लाने की रणनीति बनाई है।

देश में तेल-गैस कीं कोई कमी नही – हरदीप सिंह पुरी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक तेल संकट की आशंकाओं पर केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को संसद में कहा कि देश में तेल और गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।उन्होंने बताया कि कुछ अफवाहों की वजह से लोगों में घबराहट फैल गई है, जिसके कारण गैस सिलेंडर की मांग अचानक बढ़ गई। मंत्री ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत में ऊर्जा आपूर्ति पर कोई संकट नहीं है।पुरी ने यह भी जानकारी दी कि कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई आज से दोबारा शुरू हो जाएगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को 45 दिनों के भीतर दूसरी गैस बुकिंग की सुविधा भी दी जाएगी। उनके मुताबिक देश की रिफाइनरियां फिलहाल 100% क्षमता पर काम कर रही हैं।इस बीच देश की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने भी बयान जारी कर कहा है कि वह पूरे देश में ईंधन की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रही है। कंपनी के अनुसार उसके सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं और पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है।कंपनी और सरकार दोनों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल विश्वसनीय स्रोतों से मिलने वाली जानकारी पर ही भरोसा करें।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 : दो चरणौं में हो सकते हैं, अप्रैल में मतदान कीं संभावना

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को दो चरणों में कराया जा सकता है। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नई दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में एक और बैठक होगी, जिसके बाद चुनाव कार्यक्रम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।अधिकारी के मुताबिक, राज्य की 294 विधानसभा सीटों के लिए मतदान अगले महीने यानी अप्रैल में होने की संभावना है। इसको लेकर कोलकाता में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ विभिन्न राजनीतिक दलों की बैठक भी हुई।बैठक के दौरान सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर अधिकांश राजनीतिक दलों ने चुनाव एक या दो चरणों में कराने की मांग की। वहीं सुरक्षा बलों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी चुनाव को सीमित चरणों में कराने का सुझाव दिया है।निर्वाचन आयोग अब सभी पक्षों के सुझावों पर विचार करने के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के कार्यक्रम की अंतिम घोषणा करेगा।

ईरान की अमेरिका–इजरायल को कड़ी चेतावनी: द्वीपों पर हमला दृआ तो फारस कीं खाड़ी को 'खून से लाल' कर देंगे

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अमेरिका और इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने बड़ी चेतावनी जारी की है। ईरानी संसद के स्पीकर एमबी ग़ालिबाफ ने कहा है कि अगर ईरान के किसी भी द्वीप पर हमला किया गया तो इसका जवाब बेहद कठोर होगा और फारस की खाड़ी में हमलावरों के खून की नदियां बहा दी जाएंगी।ग़ालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "वतन या मौत। ईरानी द्वीपों की मिट्टी पर किसी भी तरह का आक्रमण सभी संयम खत्म कर देगा। अगर हमला हुआ तो हम आक्रमणकारियों के खून से फारस की खाड़ी को लाल कर देंगे। अमेरिकी सैनिकों का खून ट्रंप की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।"यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर हवाई हमले जारी हैं। ग़ालिबाफ ने खास तौर पर खाड़ी क्षेत्र के ईरानी द्वीपों, जैसे खार्ग द्वीप और अन्य रणनीतिक ठिकानों पर किसी भी हमले या कब्जे की कोशिश के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है।इस बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव तेजी से बढ़ गया है। ईरान ने कई जहाजों, तेल टैंकरों और ऊर्जा ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने बहरीन, यूएई, सऊदी अरब और इराक के कुछ बंदरगाहों को भी निशाना बनाया है।लगातार हमलों और बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल बाजार पर भी असर पड़ा है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। वहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की है और अमेरिकी जमीनी सेना भेजने की संभावना पर भी चर्चा चल रही है।

एलपीजी को लेकर सियासी संग्राम तेज

सरकार बोली—अफवाहों से बचें

एलपीजी आपूर्ति को लेकर फैली आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों को दुष्प्रचार का आक्रामक जवाब देने के निर्देश दिए। सरकार ने कहा कि गैस आपूर्ति सामान्य है। वहीं कांग्रेस और राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए संसद में विरोध प्रदर्शन किया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर फैल रही आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि किसी भी तरह के दुष्प्रचार और घबराहट फैलाने की कोशिशों का आक्रामक तरीके से जवाब दिया जाए। सरकार ने साफ किया है कि देश में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है और किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां पहले से मौजूद हैं।सूत्रों के अनुसार मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि कुछ लोग एलपीजी आपूर्ति की स्थिति को लेकर अनावश्यक भय और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसी हर कोशिश पर कड़ी नजर रखी जाए और तथ्यों के आधार पर तुरंत जवाब दिया जाए। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया सहित हर मंच पर विपक्ष के दुष्प्रचार का आक्रामक तरीके से जवाब दिया जाना चाहिए।प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा स्थिति केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक परिस्थितियों के कारण कई देशों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद भारत की तैयारियां मजबूत हैं और सरकार किसी भी प्रकार की आपूर्ति बाधा से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है। सरकार का मुख्य जोर इस बात पर है कि घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस की उपलब्धता में किसी प्रकार की समस्या न होने दी जाए।इसी बीच केंद्र सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भी कई सख्त कदम उठाए हैं। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ विस्तृत बैठक कर देशभर में एलपीजी की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। लगभग दो घंटे चली इस बैठक में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।बैठक के दौरान राज्यों को निर्देश दिया गया कि एलपीजी से जुड़ी पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर कड़ी निगरानी रखी जाए। इसमें बोटलिंग प्लांट, वितरण नेटवर्क और परिवहन व्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। अधिकारियों को यह भी कहा गया कि वे स्थानीय स्तर पर प्रतिदिन एलपीजी की उपलब्धता की समीक्षा करें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या कालाबाजारी की कोशिशों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई करें। सूत्रों के अनुसार रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को भी एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने और घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने होटल और रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को दी जाने वाली एलपीजी आपूर्ति पर कुछ नियंत्रण भी लगाए हैं, ताकि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त गैस उपलब्ध रह सके। हालांकि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसी आवश्यक सेवाओं को इन प्रतिबंधों से बाहर रखा गया है।इसके साथ ही गृह मंत्रालय ने अपने 24 घंटे संचालित होने वाले नियंत्रण कक्ष को भी मजबूत किया है। इसमें सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा पेट्रोलियम मंत्रालय के नोडल अधिकारियों को शामिल किया गया है, ताकि राज्यों के साथ बेहतर समन्वय, तथ्य जांच और वास्तविक समय में स्थिति स्पष्ट करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार हमलावर बना हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए सरकार की आलोचना की और इसे "लाइन लगाओ योजना" करार दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जनता से पैनिक न फैलाने की अपील कर रहे हैं, जबकि वह खुद ही घबराए हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन भी किया। विपक्ष के नेताओं ने आरोप लगाया कि देश के कई शहरों में गैस सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और आम लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।

इंडिगो और एयर इंडिया को सीसीआई से राहत, टिकट कैंसिलेशन शुल्क पर शिकायत खारिज

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारतीय विमानन क्षेत्र की दो प्रमुख एयरलाइन कंपनियों इंटरग्लोब एविएशन की एयरलाइन इंडिगो और एयर इंडिया को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से बड़ी राहत मिली है। आयोग ने उन शिकायतों को खारिज कर दिया है जिनमें इन कंपनियों पर बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने और टिकट रद्द करने के नाम पर यात्रियों से अत्यधिक शुल्क वसूलने के आरोप लगाए गए थे।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि दोनों एयरलाइन कंपनियां टिकट रद्द करने पर यात्रियों से अत्यधिक शुल्क वसूलती हैं और सेवाओं की बिक्री में मनमाने नियम तथा कीमतें लागू करती हैं। शिकायत में यह भी कहा गया था कि इंटरग्लोब एविएशन की एयरलाइन इंडिगो के पास घरेलू विमानन बाजार में 65 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है, जबकि एयर इंडिया की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत है। इस प्रकार दोनों कंपनियों की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी करीब 90 प्रतिशत होने के कारण प्रतिस्पर्धा पर असर पड़ने और बाजार में वर्चस्व के दुरुपयोग की आशंका जताई गई थी। हालांकि मामले की प्रारंभिक जांच के बाद आयोग ने कहा कि उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रतिस्पर्धा कानून के प्रावधानों के उल्लंघन का प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। सीसीआई के अनुसार, एयरलाइन कंपनियों के पास टिकट रद्द करने और पैसे वापस करने की स्पष्ट व्यवस्था मौजूद है। यात्रियों के पास अधिक रिफंड वाली टिकट श्रेणी चुनने का विकल्प भी उपलब्ध होता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि टिकट रद्दीकरण और रिफंड से जुड़े नियम यात्रियों को पहले से बताए जाते हैं और ये सभी उपभोक्ताओं पर समान रूप से लागू होते हैं।

टेरर फंडिंग मामले में शब्बीर शाह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, एनआईए को झटका

ईरान संकट पर केंद्र अलर्ट

अमित शाह की अगुवाई में बनी हाई लेवल कमेटी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े संकट के बीच केंद्र सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। इसी क्रम में सरकार ने संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार इस समिति की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।सूत्रों ने बताया कि समिति में विदेश मंत्री एस जयशंकर और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह समिति पश्चिम एशिया में जारी ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष से उत्पन्न स्थिति और उसके भारत पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की समीक्षा करेगी।खबरों के अनुसार, इस मुद्दे पर मंत्रियों के बीच कई दौर की बैठकें भी हो चुकी हैं। माना जा रहा है कि इन बैठकों में क्षेत्रीय तनाव, ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्गों पर पड़ने वाले असर जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई है। तीनों मंत्रालयों से अपेक्षा की जा रही है कि वे अन्य संबंधित मंत्रालयों, विभागों और राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर भारत के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। इसी बीच पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी लोकसभा में पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर भारत की समग्र ऊर्जा स्थिति पर बयान देंगे। बताया जा रहा है कि इस संघर्ष का असर अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी मार्गों पर भी पड़ा है, जिससे ऊर्जा आपूर्ति की वैश्विक व्यवस्था प्रभावित हुई है। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विषय पर होने वाली चर्चा के दौरान सदन में मौजूद रहेंगे और बहस में हस्तक्षेप कर सकते हैं। इस बीच पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को आयोजित एक अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है। उन्होंने बताया कि भारत ने विविध स्रोतों से खरीद की नीति अपनाई है, जिसके कारण वैश्विक ऊर्जा मार्गों पर असर पड़ने के बावजूद देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में फिलहाल कोई बड़ी समस्या नहीं है।

बलूचिस्तान में कर्फ्यू और सैन्य अभियान से बढ़ा संकट

लोगों के सामने भोजन-दवा की किल्लत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के कुछ हिस्सों में हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा लगाए गए सख्त प्रतिबंधों और सुरक्षा बलों के बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे अभियानों के कारण स्थानीय लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। विशेष रूप से खुजदार जिला के ज़हरी इलाके में लंबे समय से जारी कर्फ्यू के चलते आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है । बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने मौजूदा स्थिति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि ज़हरी में लगातार चार दिनों से शहर पूरी तरह बंद है। संगठन के अनुसार रमजान के महीने में लगाए गए इस कर्फ्यू ने स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर कठिनाइयां पैदा कर दी हैं। यह जानकारी बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में सामने आई है।बीवाईसी ने अपने बयान में कहा कि कर्फ्यू के कारण आम परिवारों के सामने भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बड़ी समस्या बन गई है। बाजार बंद होने और आपूर्ति व्यवस्था बाधित होने से कई घरों में खाद्य सामग्री की कमी हो गई है। संगठन का दावा है कि कई परिवारों को खाने-पीने की वस्तुएं जुटाने में मुश्किल हो रही है और बच्चों तक को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है।स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है। बीवाईसी के अनुसार सड़कों के बंद होने और आवागमन पर प्रतिबंध के कारण गंभीर रूप से बीमार मरीज अस्पतालों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे लोगों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। संगठन का कहना है कि नाकाबंदी के कारण न केवल ज़हरी कस्बा अलग-थलग पड़ गया है, बल्कि आसपास के कई गांवों का संपर्क भी टूट गया है, जिससे हजारों लोग एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाने में असमर्थ हैं। इसी बीच बीवाईसी ने यह भी आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने सुराब के लघर क्षेत्र और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया है। संगठन के मुताबिक बड़ी संख्या में सैनिक सैन्य वाहनों के साथ इलाके में पहुंचे और घर-घर तलाशी अभियान चलाया गया। बीवाईसी का आरोप है कि तलाशी के दौरान कई घरों में जबरन प्रवेश किया गया और कुछ मामलों में दरवाजे और खिड़कियां तक तोड़ दी गईं। संगठन ने यह भी दावा किया कि तलाशी के दौरान घरेलू सामान और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया गया तथा महिलाओं और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई हैं।

फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमला नाकाम

सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को दबोचा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार रात एक विवाह समारोह के दौरान उन पर हुए कथित जानलेवा हमले को लेकर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं और केवल ईश्वर की कृपा से उनकी जान बच सकी। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब फारूक अब्दुल्ला समारोह स्थल से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान एक हमलावर पीछे से उनके करीब पहुंच गया और उन पर गोली चलाने की कोशिश की। हालांकि सुरक्षा कर्मियों की तत्परता के कारण बड़ा हादसा टल गया और फारूक अब्दुल्ला बाल-बाल बच गए। घटना के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फारूक अब्दुल्ला ने उस भयावह पल को याद किया। उन्होंने कहा, "मैं ठीक हूं और ईश्वर ने मेरी जान बचाई है।" उन्होंने बताया कि हमलावर उनकी गर्दन के ठीक पीछे तक पहुंच गया था। अंतिम क्षण में उनके सुरक्षा कर्मियों, जिनमें एनएसजी के जवान भी शामिल थे, ने उसे काबू में कर लिया। इसके तुरंत बाद उन्हें उनकी कार में बैठाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। पुलिस के अनुसार हमलावर की पहचान कमल सिंह जमवाल के रूप में हुई है। उसने कथित तौर पर फारूक अब्दुल्ला को निशाना बनाया था। यह घटना शहर के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश क्षेत्र में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान हुई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत किसी भी हाई-प्रोफाइल व्यक्ति के कार्यक्रम स्थल को पहले से पूरी तरह सैनिटाइज किया जाता है और प्रवेश के लिए कड़े नियंत्रण लागू किए जाते हैं। हालांकि, फारूक अब्दुल्ला ने इस मामले में सुरक्षा चूक पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं उनके बेटे और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना को लेकर चिंता व्यक्त की है। उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि जो जानकारी उन्हें मिली है, उसके अनुसार एक व्यक्ति भरी हुई पिस्तौल लेकर फारूक अब्दुल्ला के काफी करीब तक पहुंच गया और गोली चला दी। उन्होंने कहा कि यह केवल नजदीकी सुरक्षा दल की सतर्कता के कारण संभव हो पाया कि गोली को मोड़ दिया गया और हत्या का प्रयास विफल हो गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि फिलहाल इस घटना को लेकर सवाल ज्यादा हैं और जवाब कम। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेड+ एनएसजी सुरक्षा में रहने वाले पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब कोई व्यक्ति

संपादक की कलम से

तेज़ रफ्तार डिजिटल दुनिया ने एक गंभीर सामाजिक बदलाव भी पैदा किया है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। यह बदलाव है 'धैर्य' की संस्कृति का धीरे-धीरे खत्म होना। पहले के समय में लोग किसी भी काम के लिए इंतजार करने के आदी होते थे। चिट्ठी का जवाब आने में हफ्तों लग जाते थे, अखबार के जरिए खबरें अगले दिन मिलती थीं और किसी काम का परिणाम आने में समय लगता था। लेकिन आज की पीढ़ी 'तुरंत परिणाम' की आदी हो चुकी है। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते ही लाइक और कमेंट की उम्मीद होती है, ऑनलाइन ऑर्डर कुछ ही घंटों में घर पहुंच जाता है और किसी भी सवाल का जवाब इंटरनेट पर कुछ सेकंड में मिल जाता है।इस तेज़ी ने सुविधा तो दी है, लेकिन इसके साथ-साथ लोगों की मानसिकता भी बदल दी है। आज लोग छोटी-छोटी बातों में अधीर हो जाते हैं। ट्रैफिक में कुछ मिनट की देरी भी उन्हें परेशान कर देती है। किसी काम में थोड़ी कठिनाई आने पर कई लोग जल्दी हार मान लेते हैं। यही कारण है कि धैर्य, सहनशीलता और लंबी अवधि की मेहनत जैसी पारंपरिक जीवन-मूल्य धीरे-धीरे कमजोर होते जा रहे हैं। धैर्य की कमी का असर केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और लोकतंत्र पर भी दिखाई देता है। सोशल मीडिया के दौर में लोग किसी भी घटना पर बिना पूरी जानकारी के तुरंत प्रतिक्रिया देने लगते हैं। अफवाहें और अधूरी जानकारी बहुत तेजी से फैलती हैं, जिससे समाज में भ्रम और तनाव पैदा होता है। कई बार यह स्थिति सामाजिक टकराव और गलत फैसलों का कारण भी बन जाती है।इसके अलावा, युवाओं के करियर और शिक्षा पर भी इसका असर देखा जा सकता है। सफलता पाने के लिए निरंतर मेहनत, अभ्यास और समय की जरूरत होती है, लेकिन आज कई युवा जल्दी परिणाम चाहते हैं। जब उन्हें अपेक्षित सफलता तुरंत नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। यह प्रवृत्ति लंबे समय में उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए समाज को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। डिजिटल तकनीक का उपयोग जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इसके साथ-साथ धैर्य, अनुशासन और निरंतर प्रयास जैसे मूल्यों को भी महत्व देना होगा। परिवार, स्कूल और समाज को मिलकर युवाओं को यह समझाना होगा कि हर बड़ी उपलब्धि समय और मेहनत मांगती है। अंततः यह समझना जरूरी है कि तकनीक जीवन को आसान बना सकती है, लेकिन वह जीवन के मूलभूत मूल्यों का विकल्प नहीं बन सकती। यदि हम डिजिटल सुविधा और मानवीय धैर्य के बीच संतुलन बना लें, तो आधुनिक जीवन अधिक स्वस्थ, स्थिर और संतुलित बन सकता है। यही संतुलन भविष्य के समाज को मजबूत और सकारात्मक दिशा देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ओम बिरला फिर अध्यक्ष की कुर्सी पर

बोले—सभी सांसदों को नियमों के तहत बोलने का अधिकार

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने के बाद ओम बिरला फिर लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर लौटे। उन्होंने पक्षपात के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सभी सांसदों को नियमों के तहत बोलने का अवसर मिलता है। राहुल गांधी को बोलने की मांग पर हंगामे के कारण सदन स्थगित करना पड़ा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

विपक्ष द्वारा उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज किए जाने के एक दिन बाद ओम बिरला गुरुवार को फिर से लोकसभा में अध्यक्ष की कुर्सी पर लौट आए। इस दौरान उन्होंने विपक्ष की ओर से लगाए गए पक्षपात के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा नियमों और प्रक्रियाओं के तहत सभी सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर देने का प्रयास किया है।सदन में अपने वक्तव्य के दौरान ओम बिरला ने कहा कि कुछ लोगों ने उन पर यह आरोप लगाया है कि उन्होंने कुछ सांसदों को संसद में बोलने से रोका है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा सभी सांसदों को बोलने की अनुमति देते हैं, लेकिन यह अनुमति सदन के नियमों और विनियमों के दायरे में ही दी जाती है।लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सदन का प्रत्येक सदस्य नियमों के अनुसार अपने विचार व्यक्त कर सके। इसके लिए सभी सदस्यों को समय देने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के अनुरूप संचालित हो। ओम बिरला ने यह भी बताया कि अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए लोकसभा की कार्यवाही के संचालन से खुद को अलग कर लिया था। उन्होंने कहा कि यह कदम उन्होंने सदन की गरिमा और निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया था।सदन द्वारा अपने प्रति व्यक्त किए गए विश्वास के लिए आभार जताते हुए बिरला ने कहा कि वह इस भरोसे को अपनी जिम्मेदारी मानते हैं और इसे पूरी निष्ठा, निष्पक्षता तथा संवैधानिक मर्यादाओं के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष को सदन में विशेषाधिकार प्राप्त है और वह किसी भी विषय पर बिना किसी नियम के बोल सकते हैं, लेकिन ऐसा कोई विशेष अधिकार किसी को नहीं है।उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों, राहुल गांधी जैसे नेता प्रतिपक्ष हों या अन्य सांसद—सभी को सदन में बोलने का अधिकार केवल नियमों के तहत ही है। ये नियम सदन द्वारा बनाए गए हैं और अध्यक्ष के रूप में उन्हें इन्हीं नियमों के आधार पर कार्यवाही संचालित करनी होती है।ओम बिरला ने कहा कि स्वतंत्र भारत के संसदीय इतिहास में यह तीसरा अवसर है जब लोकसभा में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सदन का प्रत्येक सदस्य निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के भीतर रहकर अपने विचार व्यक्त करे और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हो।इसी दौरान सदन में हंगामा भी देखने को मिला। कांग्रेस के सदस्यों ने एलपीजी के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की अनुमति देने की मांग करते हुए जोरदार शोर-शराबा किया। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बाधित हो गई। स्थिति को देखते हुए अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही पहले एक बार के लिए स्थगित करना पड़ा। बाद में लगातार जारी शोर-शराबे के चलते कार्यवाही को अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन में जारी इस गतिरोध के बीच सरकार और विपक्ष के बीच टकराव का माहौल भी साफ दिखाई दिया।

पार्टी से नाता तोड़ा, अब निर्दलीय मैदान में सुधाकरन, सीपीआई(एम) के गढ़ में सीधी चुनौती

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) को बड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता जी. सुधाकरन ने गुरुवार को पार्टी से अपने सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि वह आगामी केरल विधानसभा चुनाव में अपने गृह क्षेत्र अंबलप्पुझा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे।पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुधाकरन ने बताया कि वह अंबलप्पुझा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरेंगे, जिसे लंबे समय से सीपीआई (एम) का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विपक्षी गठबंधन यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) से समर्थन लेने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी भी दल या नेता से समर्थन के लिए संपर्क नहीं किया है और न ही किसी से बातचीत की है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि वह अपने चुनाव प्रचार को पारंपरिक तरीके से नहीं चलाएंगे। उन्होंने बताया कि उनके प्रचार अभियान के तहत न तो दीवारों पर पेंटिंग कराई जाएगी और न ही बड़े सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। सुधाकरन ने कहा कि उन्होंने किसी से भी समर्थन नहीं मांगा है और वह सीमित संसाधनों के साथ ही चुनाव लड़ेंगे। सुधाकरन ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान वह राजनीतिक मुद्दों को जरूर उठाएंगे, लेकिन राज्य सरकार के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि वह भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने अपनी किसी भी शिकायत को राज्य समिति के सामने नहीं रखा है और जो भी मतभेद थे, उन्हें निचले स्तर पर ही सुलझा लिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री या पार्टी नेतृत्व से हस्तक्षेप की मांग नहीं की और न ही कभी चुनाव टिकट के लिए संपर्क किया। हाल ही में मीडिया में उनके नाम से प्रकाशित कई बयानों को गलत बताते हुए सुधाकरन ने कहा कि कई खबरें तथ्यों से परे हैं। उन्होंने यूडीएफ के समर्थन से चुनाव लड़ने की अटकलों को भी सिरे से खारिज करते हुए ऐसे दावों को केवल "प्रचार" बताया।सुधाकरन ने बताया कि कुछ नेताओं ने उनसे मुलाकात जरूर की थी, लेकिन किसी भी वरिष्ठ पार्टी नेता ने उनसे समझौते या सुलह के लिए संपर्क नहीं किया।

गैस सिलेंडर को लेकर संसद में घमासान

विपक्ष का प्रदर्शन राहुल गांधी भी हुए शामिल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश में एलपीजी की कथित कमी को लेकर गुरुवार को संसद परिसर में विपक्षी दलों ने जोरदार प्रदर्शन किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सहित कई विपक्षी दलों के सांसद संसद भवन के मकर द्वार के पास एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर के आकार वाली तख्तियां भी हाथ में ले रखी थीं और "मोदी जी एलपीजी" जैसे नारे लगाए। इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों से कह रहे हैं कि ईंधन संकट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह स्वयं अलग कारणों से घबराए हुए दिखाई दे रहे हैं। एलपीजी की कमी से जुड़ी खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर पूरी जानकारी देनी चाहिए ताकि जनता के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। थरूर ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर के लिए कई स्थानों पर लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है और गैस की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि संसद ही वह मंच है जहां इन मुद्दों को उठाया जा सकता है और सरकार से जवाब मांगा जा सकता है।उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष की मांग केवल इतनी है कि इस विषय पर संसद में चर्चा हो और सरकार जनता को आश्वस्त करे कि आपूर्ति सामान्य बनी रहेगी। थरूर ने कहा कि सरकार मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकती और उसे संसद के माध्यम से जनता को जवाब देना होगा। इस बीच सरकार ने एलपीजी आपूर्ति को लेकर चल रही चिंताओं पर सफाई दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि एलपीजी संकट से निपटने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है और भारत के लिए अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के रास्ते तलाशे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को संसद में एलपीजी संकट से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए थे। सुरेश गोपी ने कहा कि कूटनीतिक संवेदनशीलता के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी आपूर्ति व्यवस्था के कुछ

पहलुओं का सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया जा सकता। यह जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग एक चौथाई हिस्सा गुजरता है। इसके अलावा एलपीजी और उर्वरकों का बड़ा हिस्सा भी इसी मार्ग से परिवहन किया जाता है।

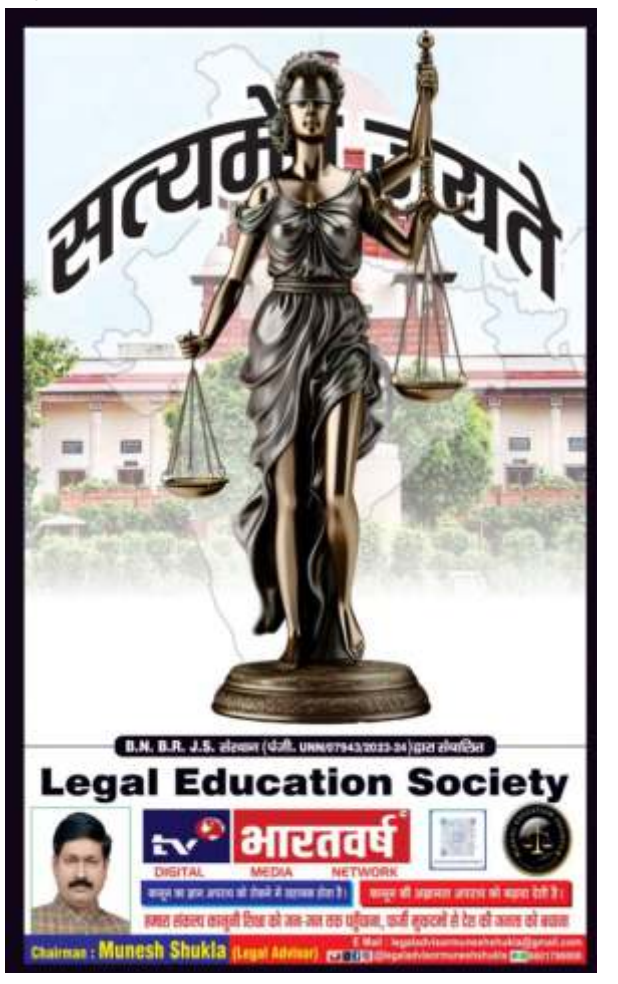

आर्थिक अनिश्चितता का असर

कर्मचारी नौकरी छोड़ने से कर रहे परहेज

आज की बदलती कामकाजी दुनिया में समय-समय पर नए ट्रेंड सामने आते रहते हैं, जो यह बताते हैं कि लोग अपने करियर और नौकरी को किस नजरिए से देख रहे हैं। हाल के समय में एक नया ट्रेंड तेजी से चर्चा में आया है, जिसे 'जॉब हगिंग' कहा जा रहा है। इस ट्रेंड का मतलब है कि कई कर्मचारी अपनी मौजूदा नौकरी से पूरी तरह संतुष्ट न होने के बावजूद उसे छोड़ना नहीं चाहते। वे नई नौकरी की तलाश करने के बजाय अपनी वर्तमान नौकरी में बने रहना ज्यादा सुरक्षित और बेहतर विकल्प मान रहे हैं। बदलती आर्थिक परिस्थितियों और अनिश्चितता के माहौल ने कर्मचारियों की सोच को काफी प्रभावित किया है। पहले के समय में लोग बेहतर अवसरों, अधिक वेतन या नई चुनौतियों की तलाश में आसानी से नौकरी बदल लिया करते थे। लेकिन अब परिस्थितियां बदलती नजर आ रही हैं। कई कर्मचारी जोखिम लेने से बच रहे हैं और स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। नियमित वेतन, स्थिर आय और नौकरी की सुरक्षा आज कर्मचारियों के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। यही कारण है कि 'जॉब हगिंग' का चलन तेजी से बढ़ रहा है।इस ट्रेंड के पीछे कई प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। सबसे बड़ा कारण कंपनियों में नई भर्ती की धीमी रफ्तार है। मौजूदा समय में कई कंपनियां खर्चों को नियंत्रित करने और बाजार की स्थिति को देखते हुए नई नियुक्तियों को सीमित कर रही हैं। इससे नौकरी बदलने के इच्छुक कर्मचारियों के लिए अवसर कम हो गए हैं। ऐसे में कई लोग अपनी मौजूदा नौकरी को छोड़ने के बजाय उसी में बने रहना ज्यादा सुरक्षित समझ रहे हैं। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता भी कर्मचारियों की सोच को प्रभावित कर रही है। दुनिया के कई देशों में आर्थिक उतार-चढ़ाव और बाजार की अस्थिरता के कारण लोग भविष्य को लेकर सतर्क हो गए हैं। लगातार बढ़ती महंगाई ने भी लोगों की प्राथमिकताओं को बदल दिया है। बढ़ती कीमतों के बीच स्थिर आय और नियमित वेतन लोगों के लिए आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं।तकनीकी बदलाव भी इस ट्रेंड को प्रभावित कर रहे हैं। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इससे कई कर्मचारियों के मन में अपने भविष्य और नौकरी की स्थिरता को लेकर चिंता पैदा हो रही है। ऐसे में कर्मचारी नई नौकरी में जोखिम लेने के बजाय अपनी मौजूदा नौकरी को बनाए रखना ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं।आंकड़े भी इस बदलती सोच को दर्शाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत कर्मचारी वर्ष 2027 तक अपनी वर्तमान नौकरी में बने रहने की योजना बना रहे हैं। वहीं करीब 48 प्रतिशत लोग आर्थिक अनिश्चितता के कारण नई नौकरी की तलाश से बच रहे हैं। इसके अलावा लगभग 27 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए वेतन सबसे बड़ा कारण है, जबकि 26 प्रतिशत लोग नौकरी की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में भी यह ट्रेंड जारी रह सकता है। जब तक आर्थिक परिस्थितियों में स्थिरता नहीं आती और रोजगार के अवसरों में वृद्धि नहीं होती, तब तक कई कर्मचारी जोखिम उठाने से बचते हुए अपनी मौजूदा नौकरी से जुड़े रहना ही बेहतर विकल्प मानते रहेंगे। इसी कारण 'जॉब हगिंग' आज के समय में कामकाजी दुनिया का एक महत्वपूर्ण और तेजी से उभरता हुआ ट्रेंड बनता जा रहा है।

बांग्लादेश से हार के बाद पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित अली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का खराब प्रदर्शन जारी है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी टीम की स्थिति में सुधार नहीं दिख रहा है। बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने टीम और प्रबंधन पर तीखी टिप्पणी की है।सीरीज के पहले वनडे में बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह विफल रही। पूरी टीम 31वें ओवर में मात्र 114 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में ही दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और मैच आठ विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।मैच के बाद बासित अली ने पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट की रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने खास तौर पर पावरप्ले के पहले 10 ओवरों में धीमी शुरुआत करने की रणनीति की आलोचना की। बासित अली ने कहा कि जिसने भी यह कहा कि शुरुआती 10 ओवर में कम से कम 60 रन बनाने चाहिए, उसे क्रिकेट की परिस्थितियों की समझ नहीं है।उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे लोग शायद कभी मैदान पर क्रिकेट नहीं खेले हैं और केवल कागज पर योजनाएं बनाते हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या टीम मैनेजमेंट को स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी नहीं है और क्या उन्हें यह नहीं पता कि यहां मजबूत टीमें भी हार चुकी हैं।बासित अली ने टीम में एक साथ कई युवा खिलाड़ियों को मौका देने के फैसले पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतरने वाले युवा खिलाड़ी पहले से तैयार होते हैं और उन्हें तुरंत प्रभाव दिखाना होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन की जिम्मेदारी अधिक होती है और यह कोई स्थानीय क्लब का मैदान नहीं है।इस मुकाबले में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह फ्लॉप रही। कप्तान मोहम्मद रिजवान और सलमान अली आगा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके।

हार्दिक पंड्या विवाद में घिरे

तिरंगे के अपमान को लेकर FIR

ईरान ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से हटने का किया ऐलान,

अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप

ईरान के खेल मंत्री अहमद दोन्यामाली ने घोषणा की है कि उनका देश फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इस फैसले के पीछे अमेरिका द्वारा ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या और हाल की घटनाओं को वजह बताया है। ईरानी फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष ने भी इस बयान का समर्थन करते हुए इसी तरह की बात दोहराई है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अहमद दोन्यामाली ने बुधवार को सरकारी टेलीविजन पर कहा कि अली खामेनेई की अमेरिका द्वारा हत्या के बाद ईरान के लिए विश्व कप में भाग लेना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार पर उनके नेता की हत्या का आरोप है, उसके रहते उनका देश इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकता। खेल मंत्री ने अपने बयान में कहा कि मौजूदा हालात में ईरान के नागरिक और खिलाड़ी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है। दोन्यामाली ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले आठ या नौ महीनों में ईरान के खिलाफ दो युद्ध जैसी स्थितियां पैदा की गईं, जिनमें हजारों लोगों की जान गई और कई लोग शहीद हुए।ईरान के खेल मंत्री ने कहा कि इन परिस्थितियों को देखते हुए उनका देश निश्चित रूप से टूर्नामेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज नहीं करा सकता। इस बीच ईरानी फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष ने भी कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए ईरान का विश्व कप में भाग लेना मुश्किल है। हालांकि इससे पहले फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो ने कहा था कि ईरानी टीम का अमेरिका में स्वागत किया जाएगा। अमेरिका इस विश्व कप टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले देशों में शामिल है।गौरतलब है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कुल 104 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून को मेक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम में होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा।

इंडियन वेल्स ओपन में जैक ड्रेपर का बड़ा उलटफेर

नोवाक जोकोविच को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जैक ड्रेपर ने इंडियन वेल्स ओपन (बीएनपी पारिबास ओपन) में शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ा उलटफेर कर दिया। डिफेंडिंग चैंपियन ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को चौथे दौर में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।।वीं वरीयता प्राप्त ब्रिटेन के खिलाड़ी ड्रेपर ने यह मुकाबला 4-6, 6-4, 7-6 से अपने नाम किया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और करीब दो घंटे 35 मिनट तक चला। पहले सेट में जोकोविच ने 6-4 से जीत दर्ज कर बढ़त बनाई थी, लेकिन इसके बाद ड्रेपर ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।तीसरे और निर्णायक सेट में मुकाबला बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच 6-5 से आगे थे और जीत के करीब नजर आ रहे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ड्रेपर ने धैर्य के साथ खेलते हुए मैच को टाईब्रेक तक पहुंचा दिया और वहां बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल कर ली।24 वर्षीय ड्रेपर के लिए यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि वह हाथ की चोट के कारण करीब आठ महीने तक टेनिस से बाहर रहे थे। चोट से उबरने के बाद उन्होंने इस टूर्नामेंट में शानदार वापसी की है और अब क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा कि उन्हें अब भी लगता है कि वह उस स्तर का खेल नहीं खेल पा रहे हैं जैसा वह खेलना चाहते हैं, लेकिन वह बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।अब क्वार्टर फाइनल में जैक ड्रेपर का मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मुकाबले में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई है। ऐसे में अब ड्रेपर और मेदवेदेव के बीच होने वाला मुकाबला भी काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

सेमीफाइनल में इटली से मुकाबला

खिताब पर नजर भारतीय महिला हॉकी टीम की

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन अब टीम की नजर एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर का खिताब जीतने पर है। इसके लिए शुक्रवार को सेमीफाइनल में इटली महिला हॉकी टीम के खिलाफ जीत हासिल करना पहला महत्वपूर्ण कदम होगा।भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के पूल बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों में सात अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे, लेकिन गोल औसत में पीछे रहने के कारण वह दूसरे स्थान पर रहा। भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते जबकि एक मुकाबला ड्रॉ खेला।दूसरी ओर इटली की टीम पूल ए में दूसरे स्थान पर रही। इटली ने अपने तीन मुकाबलों में एक जीत दर्ज की, एक मैच ड्रॉ खेला और एक में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में सेमीफाइनल में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।भारतीय टीम के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर शानदार फॉर्म में हैं। वह अब तक टूर्नामेंट में चार गोल कर चुकी हैं। खास बात यह है कि उन्होंने वेल्स के खिलाफ खेले गए आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दूसरी ओर इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी, जिन्होंने अब तक तीन गोल किए हैं।आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत का पलड़ा भारी दिखाई देता है। दोनों टीमों के बीच 2012 से अब तक सात मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से पांच मैच भारत ने जीते हैं, एक मुकाबला इटली ने अपने नाम किया है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा।भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया है।उन्होंने कहा कि टीम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने के लिए नहीं आई है, बल्कि लक्ष्य टूर्नामेंट जीतना है।

भारतीय प्रवासी ने बयां किया दुबई के बुर्ज खलीफा की छांव में जीने का कड़वा सच

दुबई में चमकते टावर, थकते सपने

एक भारतीय प्रवासी ने इंस्टाग्राम रील के जरिए दुबई की हकीकत साझा की है. उन्होंने बताया कि जहां दुबई सुरक्षा और अवसर देता है, वहीं यहां नौकरी ढूंढने का संघर्ष, भारी किराया और मानसिक तुलना इंसान को तोड़ सकती है.

दुबई की आबादी का 75 फीसदी हिस्सा प्रवासियों का है (Photo: Pexels)

दुबई को अक्सर एक सपने की तरह पेश किया जाता है. चमचमाती इमारतें, आकर्षक सैलरी और लक्जरी लाइफस्टाइल. लेकिन एक भारतीय प्रवासी का कहना है कि इंस्टाग्राम पर दिखने वाली चमक के पीछे एक अलग कहानी भी है. एक इंस्टाग्राम रील में उसने साफ कहा कि यह दुबई के खिलाफ कोई प्रोपेगेंडा वीडियो नहीं है, लेकिन मैं आपको यहां शिफ्ट होने से पहले थोड़ा सच्चाई से रूबरू कराना चाहता हूं. दो साल पहले दुबई आए इस शख्स ने बताया कि वह बड़े सपनों के साथ यहां पहुंचा था. मुझे वही पता था जो इंटरनेट दिखाता है- लाइफस्टाइल, एक्सपोजर और बेहतर मौके. और यह सब सच भी है, लेकिन दूसरा हिस्सा कोई नहीं बताता. वह 'दूसरा हिस्सा' है लगातार जॉब अप्लाई करना और जवाब तक न मिलना. 20 जगह आवेदन करो और सभी जगह से घोस्ट कर दिए जाओ. बढ़ते किराए का दबाव अलग है. ⊙

लाइमलाइट से दूर हैं अंबानी फैमिली की नई मेंबर

इन दिनों अंबानी फैमिली में आई नई दुल्हन की काफी चर्चा हो रही है. इनका नाम श्वेना पोय रायतुरकार है. इनकी शादी मुकेश अंबानी के भांजे विक्रम सालगांवकर से हुई है. विक्रम, धीरूभाई अंबानी और कोकिलाबेन अंबानी की बेटी दीप्ति और उनके पति दत्तराज सालगांवकर के बेटे हैं. ऐसे में अंबानी परिवार की बहू बनने वाली श्वेना पोय रायतुरकार सुर्खियों में हैं और लोग उनके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहते हैं. ⊙

तेंदुए की एक दहाड़ और वन रक्षक 'फरार'

तेंदुए के रेस्क्यू से जुड़ा एक वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है. वीडियो में एक वन रक्षक जाल में फंसे तेंदुए के पास जाता हुआ दिखाई देता है. शुरुआत में सब कुछ शांत और नियंत्रण में नजर आता है, लेकिन कुछ ही सेकंड में हालात अचानक बदल जाते हैं. क्लिप में वन रक्षक सावधानी से तेंदुए की ओर बढ़ता है. वह हर कदम सोच-समझकर रखता है और जानवर पर नजर बनाए रखता है. तेंदुआ जाल में फंसा हुआ शांत पड़ा रहता है. आसपास खड़े लोग भी चुपचाप इस पूरी घटना को देख रहे होते हैं. अचानक तेंदुआ आगे की ओर झपटता है. यह देखते ही वन रक्षक घबरा जाता है और तुरंत पीछे की ओर दौड़ पड़ता है. वह एक पल भी रुकने की कोशिश नहीं करता.

तेंदुआ कुछ दूरी तक बढ़ने के बाद रुक जाता है और गुर्राने लगता है. पीछे मौजूद कुछ लोग हंसते हुए सुनाई देते हैं. कुछ कदम भागने के बाद वन रक्षक रुकता है और मुड़कर देखता है. उसके हाव-भाव से साफ है कि वह इस अचानक हुई हरकत से हिल गया था. यह वीडियो X पर 'Ghar Ke Kalesh' नाम के अकाउंट से शेयर किया गया, जिसमें कैप्शन लिखा था कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने तेंदुए को जाल में फंसा रखा था. ⊙

पाक एयरलाइंस में केबिन क्रू भर्ती के अटपटे नियम

एयर होस्टेस बनने के लिए 'सिंगल' होना जरूरी

पाकिस्तान में भी कई सारे एयरलाइंस हैं और इनमें सैकड़ों केबिन क्रू और एयर होस्टेस काम करती हैं. वहां भी एयर होस्टस बनने के लिए कम्युनिकेशन स्किल सहित फिजिकल फिटनेस और एकेडमिक एलिजिब्लिटी एविएशन स्टैंडर्ड के मुताबिक होती है, लेकिन वहां के एयरलाइंस में एयर होस्टेस की भर्ती के लिए कुछ और भी शर्तें होती हैं. पाकिस्तान में कुछ एयरलाइन ने केबिन क्रू या एयर होस्टेस की नौकरियों के लिए केवल कुछ ऐसी पैरामीटर रखे हैं, जो सुनने में थोड़ा अटपटा लगे.

वहां एयर होस्टेस बनने के लिए महिला उम्मीदवारों का अविवाहित होना जरूरी है. एविएशन इंडस्ट्री में खासकर केबिन क्रू की जॉब में महिला या पुरुष उम्मीदवारों

से जरूरी फिजिकल फिटनेस आपेक्षित होती है, लेकिन विवाहित या अवविवाहित होने जैसी शर्त कम ही रखे जाते हैं. गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की प्रमुख निजी एयरलाइंस में एक एयरसियाल ने केबिन क्रू बनने के लिए महिला उम्मीदवारों को विशिष्ट शारीरिक और शैक्षिणिक मानदंडों को पूरा करने के साथ ही उनका अविवाहित होने को एक महत्वपूर्ण शर्त बताया है. पिछले साल इस पाकिस्तानी एयरलाइन ने महिला केबिन क्रू पदों के लिए वॉक-इन भर्ती अभियान शुरू किया था. इसमें यह स्पष्ट किया गया था कि केवल अविवाहित महिलाएं ही आवेदन करने के लिए पात्र होंगी. जब एयर होस्टेस का काम और उनकी लाइफ स्टाइल हमेशा चर्चा रहती है. ऐसे में किसी देश में एयरहोस्टेस की भर्ती से जुड़ी ऐसी अजीब शर्तों के बारे में कम ही सुनने को मिलता है. इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में एयर होस्टेस बनना कितना मुश्किल है. इस नौकरी के लिए जो विज्ञापन निकाले गए थे, उसके अनुसार उम्मीदवारों के लिए जरूरी योग्यता के तौर पर सबसे पहली शर्त थी उनका सिंगल होना. इसके अलावा शैक्षणिक योग्यता सिर्फ इंटरमीडिएट बताया गया. ⊙

'भूत बांग्ला' का टीज़र रिलीज होते ही फैंस में उत्साह

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार और दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन की लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। करीब 14 साल के लंबे अंतराल के बाद दोनों की नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बांग्ला का टीज़र रिलीज कर दिया गया है। टीज़र सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।फिल्म का टीज़र दर्शकों को एक रहस्यमयी और डरावनी दुनिया की झलक दिखाता है, जिसमें कॉमेडी का तड़का भी भरपूर है। मेकर्स ने इससे पहले फिल्म के डरावने पोस्टरों के जरिए दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाई थी और अब टीज़र जारी कर फिल्म की पहली झलक पेश कर दी है। टीज़र में डर और हास्य का अनोखा मिश्रण दिखाई देता है, जिसमें मजेदार अफरा-तफरी, हल्की-फुल्की कॉमेडी और कई मजेदार पंचलाइन देखने को मिलती हैं। हॉरर एलिमेंट भी मौजूद है, लेकिन उसे सीमित समय के लिए दिखाया गया है, जिससे फिल्म का माहौल रहस्यमय और मनोरंजक बना रहता है।टीज़र में कई ऐसे चेहरे नजर आते हैं जो दर्शकों को पुरानी यादों में ले जाते हैं। इसमें तब्बू, परेश रावल, असरानी और राजपाल यादव रंगीन अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। इन कलाकारों की मौजूदगी फैंस को 2007 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म भूल भुलैया की याद भी दिलाती है।फिल्म में अभिनेत्री वामिका गब्बी फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। यह अक्षय कुमार के साथ उनका पहला प्रोजेक्ट होगा। फिल्म की टैगलाइन भी काफी दिलचस्प है— "हंसी, चीखें और सरप्राइज बांग्ला के अंदर इंतजार कर रहे हैं। अंदर जाने की हिम्मत है?"इससे पहले फिल्म से जुड़ा गाना "राम जी आके भला करेंगे" भी रिलीज किया जा चुका है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। गाने के बाद अब टीज़र आने से फिल्म को लेकर दर्शकों

की उत्सुकता और बढ़ गई है।फिल्म को बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स मिलकर प्रस्तुत कर रहे हैं। यह बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन है। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है, जबकि इसका निर्माण अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने किया है।'भूत बांग्ला' 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला फिल्म डकैत से होगा, जिसमें अदिवी सेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ऐसे में दर्शकों को अप्रैल 2026 में बॉक्स ऑफिस पर दिलचस्प टक्कर देखने को मिल सकती है।

लखनऊ में शंकराचार्य से मिले सपा प्रमुख अखिलेश यादव

गोरक्षा अभियान पर हुई चर्चा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और संतों को प्रणाम किया। शंकराचार्य गोरक्षा जनजागरण अभियान के तहत वाराणसी से यात्रा कर लखनऊ पहुंचे। सभा में उन्होंने गोरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए लोगों से गाय के संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने की अपील की।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को राजधानी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की। यह मुलाकात कृष्णा नगर स्थित उनके प्रवास स्थल पर हुई। इस दौरान अखिलेश यादव ने वहां मौजूद संतों को हाथ जोड़कर प्रणाम किया और शंकराचार्य से आशीर्वाद लिया। उनके साथ पूर्व सांसद अनु टंडन भी मौजूद रहीं। जानकारी के अनुसार, शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इन दिनों गोरक्षा से जुड़े जनजागरण अभियान को लेकर यात्रा पर हैं। उन्होंने 7 मार्च को वाराणसी से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद वे जौनपुर, सुल्तानपुर और सीतापुर होते हुए चार दिनों की यात्रा के बाद 10 मार्च को लखनऊ पहुंचे थे। राजधानी पहुंचने के बाद उन्होंने यहां गोरक्षा से जुड़े 'गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान' का शंखनाद किया।लखनऊ में प्रवास के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बुधवार को एक सभा को संबोधित करते हुए गोरक्षा के महत्व पर जोर दिया। अपने संबोधन में उन्होंने समाज में गाय के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज में गाय के महत्व को समझना और उसकी रक्षा करना सभी का कर्तव्य है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि यह कोई शराब की दुकान नहीं है, बल्कि यह शुद्ध गाय के दूध की दुकान के समान है। उन्होंने कहा कि अगर यहां बहुत अधिक भीड़ होती तो इसका मतलब होता कि यह शराब की दुकान है, लेकिन यहां अपेक्षाकृत कम भीड़ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह स्थान शुद्ध गाय के दूध की दुकान की तरह है, जहां केवल वे ही लोग आते हैं जो वास्तव में इसकी महत्ता को समझते हैं।शंकराचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि गोरक्षा केवल धार्मिक आस्था का विषय ही नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपरा से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गाय के संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आएं और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाएं। गौरतलब है कि गो-प्रतिष्ठा जनजागरण अभियान के माध्यम से देशभर में गोरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं और लोगों को गाय के महत्व के बारे में बता रहे हैं। इस बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव की शंकराचार्य से मुलाकात को राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। हालांकि इस मुलाकात के दौरान क्या चर्चा हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि गोरक्षा अभियान और सामाजिक मुद्दों पर बातचीत हुई। फिलहाल शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद लखनऊ के कृष्णा नगर में प्रवास कर रहे हैं और यहां से अपने जनजागरण अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। वहीं उनकी सभाओं में संतों और स्थानीय लोगों की भागीदारी भी देखने को मिल रही है।

लखनऊ में चटक धूप और गर्म हवाओं का असर, 15 मार्च से बारिश की संभावना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गुरुवार सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर महसूस किया जा रहा है। दिन की शुरुआत के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा। मौसम विभाग के अनुसार आज शहर का अधिकतम तापमान करीब 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। रात के तापमान में भी सामान्य से अधिक बढ़ोतरी होने के आसार हैं, जिसके कारण वार्म नाइट की स्थिति बनी रह सकती है।बुधवार को भी शहर में तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया। उस दिन अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक था। वहीं न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8.1 डिग्री अधिक रहा। आर्द्रता के स्तर में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। अधिकतम आर्द्रता 93 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 37 प्रतिशत दर्ज की गई।मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार फिलहाल अगले दो दिनों तक मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि 15 मार्च से मौसम का मिजाज बदल सकता है। इस दौरान लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ बारिश की संभावना भी जताई गई है। यदि ऐसा होता है तो पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिल सकती है। इस बीच मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि मार्च के अंत तक गर्मी का प्रकोप और बढ़ सकता है। पूरे उत्तर प्रदेश में आगामी ग्रीष्म ऋतु यानी मार्च, अप्रैल और मई के दौरान तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई गई है। विभाग के अनुसार प्रदेश में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री अधिक रह सकता है।

गैस संकट से केजीएमयू में हड़कंप

मरीजों की रोटियां घटीं, छात्रों ने होटल का रुख किया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में बुधवार को कमर्शियल गैस की आपूर्ति बाधित होने से मरीजों और मेडिकल छात्रों को भोजन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गैस की कमी के कारण संस्थान के किचन में रोटियां पर्याप्त मात्रा में नहीं बन सकीं, जिससे मरीजों को मांग के अनुसार रोटियां नहीं मिल पाईं और कई मेस में भोजन भी नहीं बन सका। गैस आपूर्ति रुकने से केजीएमयू प्रशासन में हड़कंप मच गया। स्थिति को गंभीर देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर तत्काल गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की गुजारिश की है। संस्थान के अधिकारियों के अनुसार स्थिति को सामान्य करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक केजीएमयू में भर्ती लगभग 4000 मरीजों के लिए भोजन तो किसी तरह तैयार कर लिया गया, लेकिन रोटियां बनाने के लिए आवश्यक गैस उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी संख्या कम करनी पड़ी। किचन में भोजन सौर ऊर्जा से तैयार भाप की मदद से बनाया गया, लेकिन रोटियों की कमी को पूरा करने के लिए मरीजों को चावल की मात्रा बढ़ाकर परोसा गया। किचन इंचार्ज डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार को गैस की कमी के कारण रोटियां पर्याप्त मात्रा में नहीं बन सकीं। उन्होंने कहा कि गुरुवार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तलाशने की कोशिश की जा रही है, ताकि मरीजों और अन्य लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके। वहीं केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि पूरे मामले से जिलाधिकारी को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शुक्रवार तक स्थिति सामान्य हो जाएगी और गैस आपूर्ति फिर से नियमित हो जाएगी।गैस की कमी का असर केवल मरीजों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि केजीएमयू के छात्रावासों में रहने वाले हजारों मेडिकल छात्रों

को भी कठिनाई का सामना करना पड़ा। विश्वविद्यालय के करीब 20 हॉस्टलों में लगभग 10 हजार मेडिकल छात्र-छात्राएं रहते हैं। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण हॉस्टलों की मेस में भोजन नहीं बन सका, जिससे छात्रों को मजबूरी में बाहर होटलों में जाकर खाना खाना पड़ा। शाम तक हालात ऐसे हो गए कि छात्रों को अस्थायी व्यवस्था के तौर पर कोयले पर खिचड़ी बनाने तक का सुझाव दिया गया। प्रशासन ने गुरुवार से खुले स्थान पर तंदूर लगाकर भोजन बनाने की योजना भी तैयार की है, ताकि गैस की कमी के बावजूद भोजन की व्यवस्था किसी तरह जारी रखी जा सके। फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन गैस आपूर्ति बहाल कराने के लिए जिला प्रशासन के संपर्क में है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही समस्या का समाधान कर लिया जाएगा, ताकि मरीजों और छात्रों को भोजन संबंधी किसी प्रकार की परेशानी न हो।

लखनऊ में LPG सिलेंडर को लेकर

सपा का प्रदर्शन, कई कार्यकर्ता हिरासत में

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गुरुवार को रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और कथित कमी को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और महंगाई को लेकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया।सपा कार्यकर्ता शहर के प्रमुख इलाके हजरतगंज चौराहा के पास एकत्र हुए और गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने "नाम नरेंद्र, काम सरेंडर" जैसे नारे लगाते हुए सरकार पर महंगाई को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया।प्रदर्शन बढ़ता देख मौके पर मौजूद पुलिस ने एक-एक कर कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के विरोध में कुछ कार्यकर्ता सड़क पर ही लेट गए और नारेबाजी करने लगे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हटाकर वाहनों में बैठाया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता पुलिस की गाड़ियों की छत पर भी चढ़ गए, जिन्हें बाद में पुलिसकर्मियों ने नीचे उतारकर वाहन में बैठाया।प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए हजरतगंज चौराहे के आसपास हलचल का माहौल रहा। हालांकि

पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए यातायात को सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में असफल रही है और आम जनता को राहत देने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रही है। प्रदर्शन के दौरान एक सपा कार्यकर्ता ने कहा कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से आम आदमी परेशान है और रसोई का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जनता की आवाज उठाने के लिए सड़कों पर उतरे हैं।

ईरान युद्ध का असर

लखनऊ से घरेलू उड़ानों पर 399 रुपये का सरचार्ज लागू

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिखने लगा है। खाड़ी देशों के संकट का असर हवाई सफर पर पड़ा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इसको लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोत्तरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है। खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू कर दिया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। वहीं, अब एयर ट्रैवल भी महंगा होता जा रहा है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार जताए जा रहे हैं।

लखनऊ में एसटीएफ और निगोहां पुलिस की कार्रवाई,

एक करोड़ के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

राजधानी लखनऊ में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक करोड़ रुपये कीमत के गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा से डीसीएम वाहन में गांजे की बड़ी खेप लेकर आया था, जिसे लखनऊ और रायबरेली में खपाने की योजना थी।पुलिस के अनुसार संयुक्त टीम ने बुधवार देर रात नगराम मोड़ के पास से तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान कौशल कुमार (22) के रूप में हुई है, जो मुरादपुर, थाना बिंदकी, जिला फतेहपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से लगभग 775 किलोग्राम गांजा, एक डीसीएम वाहन, दो मोबाइल फोन और 210 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी डीसीएम वाहन में बोरियों के अंदर गांजा छिपाकर लाया था। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें कुल 31 बोरियां मिलीं। इन बोरियों में पैकेट बनाकर गांजा रखा गया था, जिनका कुल वजन करीब 775 किलोग्राम पाया गया। बरामद किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कई अहम जानकारियां दी हैं। उसने बताया कि जिस डीसीएम वाहन से गांजे की खेप लाई जा रही थी, वह समरजीत उर्फ सोनू गुप्ता का है। उसी ने ओडिशा में गांजे की खेप लोड कराई थी और लखनऊ तक पहुंचाने के लिए उसे 50 हजार रुपये देने का सौदा तय किया गया था। आरोपी ने यह भी बताया कि उसे ओडिशा से गांजा लाने के लिए 50 हजार रुपये मिलते थे।कौशल कुमार ने पूछताछ में यह भी खुलासा किया कि लखनऊ पहुंचने के बाद इस गांजे की खेप को अलग-अलग लोगों तक पहुंचाया जाना था। उसके अनुसार यह गांजा नगराम के मयंक गुप्ता, रायबरेली के रविंद्र जायसवाल और हुसैनगंज के सैय्यद दावर अलवी को दिया जाना था।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। साथ ही इस मामले में सामने आए अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह मामला गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है और इसकी जड़ तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।एसटीएफ और पुलिस की टीमें आरोपी द्वारा बताए गए अन्य लोगों की

तलाश में जुट गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क की पहचान कर इसके सभी सदस्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी तरीके से रोक लगाई जा सके।

उन्नाव में साइबर सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

छात्रों को बढ़ते ऑनलाइन अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राजकीय पॉलिटेक्निक डीह ललऊखेड़ा, थाना कोतवाली सदर क्षेत्र में एक साइबर सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में क्षेत्राधिकारी लाइन/साइबर विनी सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर चंद्रकांत मिश्रा और साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश पाठक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम में पुलिस विभाग की साइबर टीम ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल युग में इंटरनेट और मोबाइल के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों के मामले भी तेजी से सामने आ रहे हैं, इसलिए लोगों को सतर्क और जागरूक रहना बेहद जरूरी है। संगोष्ठी में कोतवाली सदर साइबर हेल्प डेस्क से महिला आरक्षी सोनिया शर्मा, आरक्षी अनिल कुमार, ललऊखेड़ा चौकी से उपनिरीक्षक रविशंकर मिश्रा सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इसके अलावा साइबर थाना से आरक्षी समसुद्दीन और आरक्षी विपिन दांगी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में प्रभारी परामर्श केंद्र समिति उन्नाव के डॉ. आशीष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।संगोष्ठी के दौरान साइबर थाना के आरक्षी समसुद्दीन ने डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड और निवेश से जुड़े साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई मामलों में अपराधी लोगों को फोन कॉल, मैसेज या सोशल मीडिया के माध्यम से झांसे में लेकर ठगी का शिकार बना लेते हैं। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को सलाह दी कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या संदेश पर तुरंत विश्वास न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें।वहीं महिला आरक्षी सोनिया शर्मा ने ऑनलाइन शॉपिंग, गेमिंग ऐप्स और फर्जी लोन एप्लीकेशन के जरिए होने वाली धोखाधड़ी के तरीकों और उनसे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल कर लोगों को फंसाया जाता है, इसलिए सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।कार्यक्रम के दौरान छात्रों को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने अपील की कि यदि किसी के साथ साइबर धोखाधड़ी की घटना होती है तो वह तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य चंद्रभान प्रजापति ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से संगोष्ठी को रोचक बनाया। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डिजिटल अरेस्ट, एपीके फाइल तथा फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल जैसे विषयों पर सवाल पूछे। पुलिस अधिकारियों ने उनके प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

कचहरी परिसर के पास मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में कचहरी परिसर के पास गुरूवार को एक 45 वर्षीय मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा।मृतक की पहचान शहर के मोतीनगर मोहल्ला निवासी 45 वर्षीय विनोद पाल पुत्र महावीर पाल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार विनोद पाल दही चौकी क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। बताया गया कि वह रोज की तरह घर से काम पर जाने के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटे, जिससे परिवार के लोगों को चिंता होने लगी।इसी बीच गुरूवार सुबह करीब आठ बजे पुलिस के माध्यम से परिजनों को घटना की जानकारी मिली। मृतक के बड़े भाई संतोष पाल ने बताया कि पुलिस और स्थानीय सभासद के जरिए उन्हें सूचना मिली कि विनोद पाल का शव कचहरी गेट नंबर-3 के पास पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही परिवार के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए।घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई और पूरे इलाके में शोक का माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विनोद पाल की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस इस मामले को संदिग्ध मानते हुए हर पहलू से जांच कर रही है।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और जरूरी साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आयुष्मान भारत योजना को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

बिछिया ब्लॉक में हुआ शुभारंभ

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के बिछिया ब्लॉक सभागार में आयुष्मान कार्ड पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों को विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं, विशेष रूप से आयुष्मान भारत योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन बिछिया ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए आयुष्मान भारत योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।नीरज गुप्ता ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे गरीब परिवारों को महंगे इलाज की चिंता से राहत मिलती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो भी व्यक्ति इस योजना के लिए पात्र हैं, वे अधिक से अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड बनवाकर इसका लाभ उठाएं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी भाग लिया और लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश ने योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र परिवार सूचीबद्ध अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी फहद खान, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) प्रभारी नरेंद्र यादव तथा बिछिया मंडल अध्यक्ष सुनील साहू सहित कई अन्य अधिकारी, कर्मचारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को बताया कि आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज और प्रक्रिया क्या है। साथ ही लोगों को यह भी समझाया गया कि योजना का लाभ लेने के लिए समय पर पंजीकरण कराना आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण योजना के प्रति जागरूक रहें और जरूरतमंद लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक परिवार आयुष्मान भारत योजना का लाभ उठा सकें।

उन्नाव में स्वच्छता और नगरीय सेवाओं को मजबूती, 17 नए वाहन व मशीनें बेड़े में शामिल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने शहर में आधुनिक संसाधनों को शामिल करते हुए नए वाहनों और मशीनों को सेवा के लिए रवाना किया। इससे शहर की सफाई व्यवस्था और अन्य नगरीय सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।कार्यक्रम के तहत लखनऊ बाईपास स्थित माँ अन्नपूर्णा मंदिर में पूजन-अर्चन के बाद नगर पालिका द्वारा खरीदे गए आधुनिक वाहनों और मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लेने के बाद इन संसाधनों का औपचारिक शुभारंभ किया गया। नगर पालिका परिषद द्वारा स्वच्छता और नगरीय सेवाओं को आधुनिक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुल 17 नए संसाधनों को बेड़े में शामिल किया गया है। इनमें 7 सीएनजी टाटा इंट्रा वाहन, 5 ट्रैक्टर, 1 बैकहो लोडर (जेसीबी), 1 पावर बूम, 1 टीएमएक्स मशीन, 1 सीवर जेटिंग मशीन और 1 मोबाइल टॉयलेट शामिल हैं। इन आधुनिक संसाधनों के जुड़ने से शहर में सड़क सफाई, नाली और नाला सफाई, सीवर सफाई, कचरा प्रबंधन और अन्य नगर सेवाओं को अधिक तेजी, प्रभावशीलता और तकनीकी दक्षता के साथ संचालित किया जा सकेगा। इस अवसर पर एक विशेष सफाई अभियान की भी शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत शहर के प्रमुख और आंतरिक नालों की मशीनों और सफाई कर्मियों की मदद से व्यवस्थित तरीके से सफाई कराई जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाना और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से नगरवासियों को राहत दिलाना है। कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मियों में इन आधुनिक संसाधनों के शामिल होने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का भी कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग करें, कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें और अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा बनाए रखें। उन्होंने विश्वास जताया कि नगरवासियों के सहयोग और नगर पालिका टीम के संयुक्त प्रयासों से स्वच्छ, सुंदर और विकसित उन्नाव के निर्माण का लक्ष्य अवश्य पूरा किया जा सकेगा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अधिकारी, कर्मचारी, सफाई कर्मी और स्थानीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

असोहा क्षेत्र में पशु चिकित्सालय और आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं संतोषजनक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

असोहा क्षेत्र में पशुपालन विभाग के अपर निदेशक डॉ. अजय कंवजिया ने गुरुवार को विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के कंचनपुर गांव स्थित पशु चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां की व्यवस्थाएं व्यवस्थित और चाक-चौबंद पाई गईं, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।पशु चिकित्सालय का निरीक्षण करने के बाद डॉ. अजय कंवजिया अचानक सरवन गांव स्थित पशु आश्रय स्थल पहुंच गए। वहां उन्होंने पशुओं के रखरखाव, चारा व्यवस्था और साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पशुओं के लिए उपलब्ध भूंसा, हरा चारा और अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। हालांकि उन्होंने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।इस मौके पर उन्होंने ग्राम प्रधान वंशराज वंशल और ग्राम पंचायत अधिकारी समीर तिवारी को निर्देश देते हुए कहा कि पशु आश्रय स्थल में पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाए, ताकि पशुओं को पर्याप्त पोषण मिल सके।इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि पशु आश्रय स्थल का नाम स्पष्ट रूप से अंकित कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आश्रय स्थल में जहां भी कोई सामग्री रखी जाती है, उसे चिन्हित करते हुए उस पर उसका नाम भी लिखवाया जाए, जिससे व्यवस्थाएं अधिक सुव्यवस्थित रह सकें और आवश्यकता पड़ने पर सामग्री की पहचान में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सक डॉ. संतोष तिवारी के अलावा अंजनी कुमार, गौरव, रवि और सचिन सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही।

UP SI भर्ती परीक्षा में फ्री बस यात्रा की खबर गलत, UPSRTC ने किया खंडन

यूपी सब इंस्पेक्टर पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर खबर वायरल हो रही है कि 14 और 15 मार्च को होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा में UPSRTC की बसों में निशुल्क यात्रा होगी। जिस पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने स्पष्टीकरण दिया है कि सोशल मीडिया पर वायरल खबर भ्रामक है। इस प्रकार का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। जिला प्रशासन परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष संपन्न करने के लिए पुलिस लाइन में कंट्रोल-रूम स्थापित किया है। जहां से परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक अनिल कुमार ने खंडन जारी किया है। उन्होंने बताया कि 14 और 15 मार्च को होने वाली लिखित परीक्षा के दौरान परिवहन निगम की बसों में एडमिट कार्ड दिखाकर निशुल्क यात्रा की खबर सोशल मीडिया 'एक्स' पर प्रसारित की जा रही है। जो भ्रामक है। सोशल मीडिया पर मिस्टर गोपाल ने यह पोस्ट वायरल किया है। जो पूर्णतः असत्य एवं भ्रामक है। इसकी जानकारी उन्होंने सभी क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधन सहायक, क्षेत्रीय प्रबंधक डिपो और डिपो प्रभारी को दी है। परीक्षा के दौरान केंद्र में तैनात होने वाले पुलिस बल से मुलाकात की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न करना हमारी प्राथमिकता है। किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को करेंगी राम जन्मभूमि के दर्शन,

सीएम योगी ने तैयारियों की समीक्षा की

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। राष्ट्रपति राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करेंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वीवीआईपी पास जारी नहीं होंगे। इस बीच राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में जल महोत्सव 2026 में जल संरक्षण और स्वच्छ पानी के महत्व पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को अयोध्या के सीएफसी सभागार में राष्ट्रपति की प्रस्तावित यात्रा को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्रशासन और सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की 19 मार्च को होने वाली अयोध्या यात्रा की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की गई।अयोध्या के जिलाधिकारी निखिल टिकाराम फुंडे ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति 19 मार्च को अयोध्या पहुंचेंगी और राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम के दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासनिक और सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सभी विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं और अधिकारी अपने-अपने स्तर पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंडलायुक्त, एडीजी और डीआईजी सहित सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि 19 मार्च का कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके।मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 19 मार्च का दिन विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसी दिन हिंदू नववर्ष की भी शुरूआत होती है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि मंदिर में आने वाले सभी भक्तों को सुगमता से दर्शन का अवसर मिल सके। योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर प्रशासन द्वारा कोई वीवीआईपी या विशेष पास जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उस दिन आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन एक घंटा पहले शुरू कर दिए जाएंगे और देर रात तक जारी रहेंगे। केवल राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के आगमन तथा पूजा-अर्चना के दौरान कुछ समय के लिए ही दर्शन व्यवस्था को अस्थायी रूप से रोका जाएगा, उसके बाद फिर से सामान्य रूप से दर्शन जारी रहेंगे।इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित जल महोत्सव 2026 को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों को दूर-दूर से पीने का पानी लाना पड़ता था। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छ जल उपलब्ध कराना केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह समय, स्वास्थ्य और सम्मान से भी जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने जल संरक्षण और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के प्रयासों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

यूपी के 2.15 करोड़ किसानों के खाते में आएंगे 2000 रुपये, पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त आज जारी

उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए अच्छी खबर है। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त शुक्रवार को किसानों के खातों में भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस किस्त को जारी करेंगे, जिससे राज्य के करोड़ों किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी।सरकारी जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के 2.15 करोड़ से अधिक किसानों को इस किस्त का लाभ मिलेगा। इन किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 4335.11 करोड़ रुपये की धनराशि भेजी जाएगी। योजना के तहत प्रत्येक पात्र किसान के खाते में दो-दो हजार रुपये की किस्त सीधे ट्रांसफर की जाएगी।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवार के एक सदस्य को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि तीन बराबर किस्तों में दी जाती है, जिसमें प्रत्येक किस्त दो हजार रुपये की होती है। इस योजना का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि वे खेती-किसानी से जुड़े खर्चों को आसानी से पूरा कर सकें।प्रदेश में इस योजना का लाभ बड़ी संख्या में किसान उठा रहे हैं। अब तक योजना की 21 किस्तों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के किसानों के खातों में कुल 94,668.58 करोड़ रुपये की धनराशि भेजी जा चुकी है। इससे किसानों को खेती के लिए जरूरी संसाधन जुटाने में मदद मिली है और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है।केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली यह सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाती है। डीबीटी व्यवस्था के कारण किसानों को समय पर और सुरक्षित तरीके से लाभ मिल पाता है।

पीलीभीत में चौंकाने वाली घटना

'ब्रेन डेड' घोषित महिला को एंबुलेंस के झटके ने दी नई जिंदगी

टीवी भारतवर्ष पीलीभीत

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां सड़क के गड्ढे से लगे तेज झटके ने एक महिला को नई जिंदगी दे दी। डॉक्टरों द्वारा 'ब्रेन डेड' घोषित की गई महिला को जब परिवार एंबुलेंस से घर लेकर जा रहा था, तभी रास्ते में एंबुलेंस के उछलने से आए झटके के बाद उसमें अचानक जीवन के लक्षण दिखाई देने लगे। बाद में इलाज मिलने पर महिला की हालत में लगातार सुधार हुआ और अब वह स्वस्थ बताई जा रही है। पीलीभीत निवासी कुलदीप शुक्ला की 50 वर्षीय पत्नी विनीता ने 22 फरवरी को ब्लड प्रेशर की दवा ली थी। दवा लेने के कुछ समय बाद ही वह अचानक बेसुध हो गईं। परिजन घबराकर उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें बरेली रेफर कर दिया।इसके बाद विनीता को बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। हालांकि कई प्रयासों के बावजूद उनकी स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों ने उन्हें 'ब्रेन डेड' घोषित करते हुए परिजनों को घर ले जाने की सलाह दे दी। इसके बाद 24 फरवरी की सुबह परिजन विनीता को एंबुलेंस से वापस पीलीभीत लेकर आ रहे थे।परिजनों के अनुसार जब एंबुलेंस पीलीभीत-बरेली हाईवे पर हाफिजगंज मोड़ के पास पहुंची, तभी सड़क के एक गहरे गड्ढे से गुजरते समय एंबुलेंस तेज झटके के साथ उछल गई। इसी झटके के बाद अचानक विनीता की सांसें सामान्य होने लगीं और उनके शरीर में हलचल दिखाई देने लगी। यह देखकर परिजन हैरान रह गए और तुरंत उन्हें पीलीभीत में डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। पीलीभीत में महिला का इलाज करने वाले न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि जब महिला को उनके पास लाया गया, तब वह सांस तो ले रही थीं लेकिन हालत गंभीर थी। न्यूरोटॉक्सिन की आशंका के आधार पर इलाज शुरू किया गया और ट्रायल के तौर पर एंटी स्नेक वेनम दिया गया। उपचार के बाद महिला की हालत में तेजी से सुधार हुआ और अब वह पूरी तरह स्वस्थ बताई जा रही हैं।

बदायूं में पूर्व कर्मचारी ने एचपीसीएल के दो अधिकारियों को गोली मारकर की हत्या

टीवी भारतवर्ष बदायूं

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में गुरूवार को एक सनसनीखेज डबल मर्डर की घटना सामने आई। नौकरी से निकाले जाने से नाराज एक युवक ने हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में घुसकर दो अधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से प्लांट परिसर में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया।जानकारी के अनुसार सैजनी गांव स्थित एचपीसीएल के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में गुरूवार को प्रशासनिक बैठक चल रही थी। इसी दौरान प्लांट में पहले ऑपरेटर के पद पर तैनात रहे कांट्रैक्ट कर्मचारी अजय प्रताप सिंह अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंच गया। बताया जा रहा है कि उसे कुछ समय पहले नौकरी से निकाल दिया गया था, जिससे वह नाराज चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने बैठक के दौरान एरिया मैनेजर सुधीर गुप्ता (56), निवासी सेक्टर-50 नोएडा और डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा (30) पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं।हमले में दोनों अधिकारियों को तीन-तीन गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज से पूरे प्लांट में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आरोपी के साथी मौके से फरार हो गए, जबकि मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह ने थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया।घटना के बाद घायल दोनों अधिकारियों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दातागंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी इससे पहले भी दोनों अधिकारियों पर हमला करने की कोशिश कर चुका था।